Anusanadhan: A Multidisciplinary International Journal (In Hindi)
Volume 9, Issue 1&2 - 2024, Pg. No. 17-21
Peer Reviewed Journal

Research Article

उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक एवं समस्या समाधान योग्यता का अध्ययन

Suresh Sharma

Principal, Kasturi Devi College, Chaksu, Jaipur.

I N F O

E-mail Id:
suresh.sharma575@gmail.com
Orcid Id:
https://orcid.org/0000-0002-3236-3805

Date of Submission: 2024-04-03
Date of Acceptance: 2024-06-04

सारांश

इस शोध पत्र में उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक एवं समस्या समाधान योग्यता का अध्ययन किया गया है इसमें अध्ययन के उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक एवं समस्या समाधान योग्यता का अध्ययन निश्चित किये गये है इसमें 6 शोध परिकल्पनाओ का निर्माण किया गया है प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया है। इसमें उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के 142 बी. एड. प्रशिक्षणार्थियों जिसमें शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के 71 प्रशिक्षणार्थी तथा शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के 71 प्रशिक्षणार्थियों पर अपना अध्ययन कार्य सम्पन्न किया गया है इनके अन्तर्गत भी इन्हें दोनों महाविद्यालयों में 71 पुरूष व 71 महिला प्रशिक्षणार्थियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है इस पूरेन्यादर्श का चयन राजस्थान राज्य के उदयपुर संभाग में से किया गया है शोध मेंतार्किक योग्यता,वंसमस्या समाधान योग्यता स्वनिर्मित मापनी का प्रयोग किया गया है अध्ययन की प्रकृति, वंउद्देष्यों के आधार पर प्राप्त आकड़ों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, प्रमापविचलन, क्रान्तिक अनुपात का प्रयाग किया गया है निष्कर्ष रूप में उदयपुर संभाग प्रथम केशिक्षक प्रशिक्षणमहाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक एवं समस्या समाधान योग्यता के अध्धयन के आधारपर यह पाया गया की शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की तुलनामें शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक एवं समस्या समाधान योग्यता उच्च स्तर की है।

मुख्य शब्दः उदयपुर, महाविद्यालय, समस्या, शिक्षक, योग्यता

अध्ययन के उद्देश्य

1. शिक्षक प्रशिक्षण, महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता का अध्ययन करना।
2. शिक्षक प्रशिक्षण, महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता का अध्ययन करना।
3. शिक्षक प्रशिक्षण, महाविद्यालय की महिला प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता का अध्ययन करना।
4. शिक्षक प्रशिक्षण, महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता का अध्ययन करना।
5. शिक्षक प्रशिक्षण, महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता का अध्ययन करना।
6. शिक्षक प्रशिक्षण, महाविद्यालय की महिला प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता का अध्ययन करना।

Copyright (c) 2024: Author(s). Published by Advanced Research Publications

अध्ययन की परिकल्पनाँ

1. शिक्षक प्रशिक्षण, महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
2. शिक्षक प्रशिक्षण, महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
3. शिक्षक प्रशिक्षण, महाविद्यालय की महिला प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है। शिक्षक प्रशिक्षण, महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
4. शिक्षक प्रशिक्षण, महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
5. शिक्षक प्रशिक्षण, महाविद्यालय की महिला प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

अध्ययन विधि

प्रस्तुत अध्ययन मेंस र्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया है।

न्यादर्श

इसमें उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण, महाविद्यालय, एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के 142 बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों जिसमें शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के 71 प्रशिक्षणार्थी तथा शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के 71 प्रशिक्षणार्थियों पर अपना अध्ययन कार्य सम्पन्न किया गया है इनके अन्तर्गत भी इन्हें दोनों महाविद्यालयों में 71 पुरूष व 71 महिला प्रशिक्षणार्थियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है इस पूरे न्यादर्श का चयन राजस्थान राज्य के उदयपुर संभाग में से किया गया है।

शोध में प्रयुक्त उपकरण

अनुसंधान में प्रयुक्त सांख्यिकी

अध्ययन की प्रकृति ,वंउद्देश्यों के आधार पर प्राप्त आकड़ों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, प्रमाप विचलन, क्रान्तिक अनुपात का प्रयोग किया गया है।[1,2]

प्रदत्तों का विश्लेषण, वंव्याख्या

अध्ययन मेंशिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता एवं समस्या समाधान योग्यता से संबंधित प्रदत्तों की तालिका 2 से 7 में प्रस्तुत है।[3,4]

उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता अभि वृत्ति मापनी के मध्यमानों के अन्तरों की सार्थकता की तुलनाः

उपर्युक्त तालिका संख्या 3 में उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता अभिवृत्ति मापनी के मध्यमानों एवं मानकविचलनों को प्रदर्शित किया गया है। इनके मध्यमान क्रमशः 13.72 एवं 8.38 प्राप्त हए तथा मानक विचलन क्रमशः 4.47 एवं 2.93 प्राप्त हुए हैं। मध्यमानों एवं मानवविचलनों की गणना के आधार पर क्रांतिक अनुपात मान (C.R. Value) 8.48 प्राप्त हुआ है। 142(df) स्वतंत्रता के अंश पर 0.05 सार्थक तास्तर का मान क्रांतिक अनुपात मान की तालिका में 1.98 तथा 0.01 सार्थक तास्तर का मान 2.61 दिया गया है। गणना दारा प्राप्त मान दोनों सार्थक तास्तर से अधिक है, अतः यह निर्धारित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है तथा निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है, कि उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षण ार्थियों की तार्किक योग्यता में कोई सार्थक अन्तः नहीं पाया गया है। प्राप्त मध्यमानों के आधार पर देखा जाये तो उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता से अधिक पायी गई है।[5–8]

उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता मापनी के मध्यमानों के अन्तरों की सार्थकता की तुलनाः

तालिका संख्या 1

क्र.सं.	परीक्षण का नाम	परीक्षण निर्माण कर्ता
1	''बी.एड़. प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता की जाँच हेतु अभिवृत्तिमापनी''	स्वनिर्मित
2	''बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के समस्या समाधान योग्यता की जाँच हेतु अभिवृत्तिमापनी''	स्वनिर्मित

(df = N1 + N2 - 2 = 72 + 72 - 2 = 142)

तालिका संख्या 2

न्यादर्श	संख्या (N)	मध्यमान (Mean)	प्रमापविचलन (SD)	क्रान्तिकअनुपात (CR Value)	सार्थकतास्तर	
					0.05	0.01
शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थी	72	13.72	4.47	8.48	सार्थक अन्त रहै।	सार्थक अन्त रहै।
शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थी	72	8.38	2.93			

(df = N1 + N2 - 2 = 72 + 72 - 2 = 142)

तालिका संख्या 3

न्यादर्श	संख्या (N)	मध्यमान (Mean)	प्रमापविचलन (SD)	क्रान्तिकअनुपात (CR Value)	सार्थकतास्तर	
					0.05	0.01
शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थी	72	18.83	5.47	11.47	सार्थक अन्त रहै।	सार्थक अन्त रहै।
शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थी	72	8.51	5.29			

¼df = N1 + N2 - 2 = 72 + 72 - 2 = 142)

तालिका संख्या 4

न्यादर्श	संख्या (N)	मध्यमान (Mean)	प्रमापविचलन (SD)	क्रान्तिकअनुपात (CR Value)	सार्थकतास्तर	
					0.05	0.01
शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थी	36	14.31	3.88	1.11	सार्थक अन्त रहै।	सार्थक अन्त रहै।
शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थी	36	13.14	4.99			

(df = N1 + N2 - 2 = 36 + 36 - 2 = 70)

तालिका संख्या 5

न्यादर्श	संख्या (N)	मध्यमान (Mean)	प्रमापविचलन (SD)	क्रान्तिकअनुपात (CR Value)	सार्थकतास्तर	
					0.05	0.01
शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थी	36	20.31	2.51	15.81	सार्थक अन्त रहै।	सार्थक अन्त रहै।
शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थी	36	7.19	4.27			

(df= N1 + N2 - 2 = 36 + 36 - 2 = 70)

तालिका संख्या 6

न्यादर्श	संख्या (N)	मध्यमान (Mean)	प्रमापविचलन (SD)	क्रान्तिकअनुपात (CR Value)	सार्थकतास्तर	
					0.05	0.01
शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थी	36	13.14	4.99	4.63	सार्थक अन्त रहै।	सार्थक अन्त रहै।
शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थी	36	8.83	2.56			

तालिका संख्या 7

न्यादर्श	संख्या (N)	मध्यमान (Mean)	प्रमापविचलन (SD)	क्रान्तिकअनुपात (CR Value)	सार्थकतास्तर	
					0.05	0.01
शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थी	36	17.36	7.08	4.89	सार्थक अन्त रहै।	सार्थक अन्त रहै।
शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थी	36	9.83	5.91			

उपर्युक्त तालिका संख्या 4 में उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता मा पनी के मध्यमानों, एवं मानक विचलनों को प्रदर्षित किया गया है। इनके मध्यमान क्रमशः 18.83 एवं 8.51 प्राप्त हुए तथा मानकविचलन क्रमशः 5.47, वं 5.29 प्राप्त हुए है। मध्यमानों एवं मानक विचलनों की गणना के आधार पर क्रांति क अनुपात मान (C.R. Value) 11.47 प्राप्त हुआ है। 142(df) स्वतंत्रता के अंश पर 0.05 सार्थक तास्तर का मान क्रांतिक अनुपातमान की तालिका में 1.98 तथा 0.01 सार्थक तास्तर का मान 2.61 दिया गया है। गणना क्षरा प्राप्त मान दो नों सार्थक तास्तर से अधिक है, अतः यह निर्धारित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है तथा निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।[9,10]

उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता अभिवृत्ति मापनी के मध्यमानों के अन्तरों की सार्थकता की तुलनाः

उपर्युक्त तालिका संख्या 5 में उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता अभिवृत्ति मापनी के मध्यमानों एवं मानक विचलनों को प्रदर्षित किया गया है। इनके मध्यमानक्रमषः 14.31 एवं 13.14 प्राप्त हुए तथा मानक विचलन क्रमशः 3.88 एवं 4.99 प्राप्त हुए हैं। मध्यमानों एवं मानक विचलनों की गणना के आधार पर क्रांतिक अनुपात मान (C.R. Value) 1.11 प्राप्त हुआ है। 70 (df) स्वतंत्रता के अंश पर 0.05 सार्थक तास्तर का मान क्रांतिक अनुपातमान की तालिका में 2.00 तथा 0.01 सार्थक तास्तर का मान 2.65 दिया गया है। गणना क्षरा प्राप्त मान दोनों सार्थक तास्तर से कम है, अतः यह निर्धारित शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है तथा निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है। प्राप्त मध्यमानों के आधार पर देखा जाये तो उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता से अधिकपाया गया है।[11]

उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता मापनी के मध्य मानों के अन्तरों की सार्थकता की तुलनाः

उपर्युक्त तालिका संख्या 6 में उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता मापनी के मध्यमानों, एवं मानक विचलनों को प्रदर्शित किया गया है। इनके मध्यमान क्रमशः 20.31 एवं 7.19 प्राप्त हुए तथा मानक विचलन क्रमशः 2.51 एवं 4.27 प्राप्त हुए हैं। मध्यमानों एवं मानक विचलनों की गणना के आधार पर क्रांतिक अनुपातमान (C.R. Value) 15.81 प्राप्त हुआ है। 70 (df) स्वतंत्रता के अंश पर 0.05 सार्थक तास्तर का मान क्रांतिक अनुपातमान की तालिका में 2.00 तथा 0.01 सार्थक तास्तर का मान 2.65 दिया गया है। गणना क्षराप्राप्त मान दोनों सार्थक तास्तर से अधिक है, अतः यह निर्धारित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है तथा निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है। प्राप्त मध्यमानों के आधार पर उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता से अधिक है।[12]

उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय की महिला प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता अभिवृत्ति मापनी के मध्यमानों के अन्तरों की सार्थकता की तुलनाः

उपर्युक्त तालिका संख्या 5 में उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय की महिला प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता अभिवृत्ति मापनी के मध्यमानों एवं मानक विचलनों क्रमशः 13.14 एवं 4.99 प्राप्त हुए हैं। मध्यमानों एवं मानक विचलनों की गणना के आधार पर क्रांतिक अनुपातमान (C.R. Value) 4.63 प्राप्त हुआ है। 70 (df) स्वतंत्रता के अंशपर 0.05 सार्थक तास्तर का मान क्रांतिक अनुपातमान की तालिका में 2.00 तथा 0.01 सार्थक तास्तर का मान 2.65 दिया गया है। ग्णना क्षरा प्राप्तमान दोनों सार्थकतास्तर से अधिक है, अतः यह निर्धारित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है तथा निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय की महिला प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।[13]

शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय की महिला प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता मापनी के मध्यमानो के अन्तरों की सार्थकता की तुलना–

उपर्युक्त तालिका संख्या 7 में उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय की महिला प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता मापनी के मध्यमानों एवं मानव विचलनों को प्रदर्शित किया गया हे। इनके मध्यमान क्रमशः 17.36 एवं 9.83 प्राप्तहु, तथा मानक विचलन क्रमशः 7.08 एवं 5.91 प्राप्त हुए हैं। मध्यमानों एवं मानक विचलनों की ग्णना के आधार पर क्रांतिक अनुपातमान (C-R- Value) 4.89 प्राप्त हुआ है। 70(df) स्वतंत्रता के अंश पर 0.05 सार्थक तास्तरका मान क्रांतिक अनुपातमान की तालिका में 2.00 तथा 0.01 सार्थक तास्तर का मान 2.65 दिया गया है। ग्णना क्षरा प्राप्त मान दोनों सार्थक तास्तर से अधिक है, अतः यह निर्धारित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। तथा निष्कर्ष के रूप में कहाजा सकता है कि उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय की महिला प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।[14,15,16]

निष्कर्ष

1. उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता अभिवृत्ति मापनी की ग्णना के आधार पर क्रांतिक अनुपातमान (C-R- Value) 8.48 प्राप्त हुआ है। जो कि दोनों सार्थक तास्तर से अधिक है, अतः यह निर्धारित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।
2. उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता अभिवृत्ति मापनी की ग्णना के आधार पर क्रांतिक अनुपात मान (C-R- Value) 1.11 प्राप्त हुआ है। जो कि दोनों सार्थक तास्तर से अधिक है, अतः यह निर्धारित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।
3. उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय की महिला प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता अभिवृत्ति मापनी की ग्णना के आधार पर क्रांतिक अनुपातमान (C-R- Value) 4.63 प्राप्त हुआ है। जो कि

दोनों सार्थक तास्तर से अधिक है, अतः यह निर्धारित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

4. प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय कीं समस्या समाधान योग्यता मापनी की ग्णना के आधार पर क्रांतिक अनुपात मान (C-R- Value) 11.47 प्राप्त हुआ है। जो कि दोनों सार्थक तास्तर से अधिक है, अतः यह निर्धारित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।
5. उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता मापनी की ग्णना के आधार पर क्रांतिक अनुपातमान (C-R- Value) 15.81 प्राप्त हुआ है। जो कि दोनों सार्थक तास्तर से अधिक है, अतः यह निर्धारित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।
6. उदयपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय की महिला प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाध ाान योग्यता मापनी की ग्णना के आधारपर क्रांतिक अनुपातमान (C-R- Value) 4.89 प्राप्त हुआ है। जो कि दोनों सार्थक तास्तर से अधिक है, अतः यह निर्धारित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

सन्दर्भ सूची

हिन्दी पत्र पत्रिकाओं की सूची :–

1. राजस्थान पत्रिका, जयपुर संस्करण, 10 नवम्बर 2013, पृ.सं. 11
2. राजस्थान दैनिक भास्कर, जयपुर संस्करण, 23 अक्टूबर 2014, पृ.सं. 8
3. राजस्थान में शिक्षा अनुसंधान सम्प्राप्तियाँ एवं सम्भावनाँ, (1984–92) शिक्षा विभाग राज. बीकानेर, 1997, पृ.सं. 180
4. राजस्थान में शिक्षा अनुसंधान सम्प्राप्तियाँ, एवं सम्भावनाँ, (1984–92) शिक्षा विभाग राज. बीकानेर, 1997, पृ.सं. 180
5. सैयदेन के.जी. –''युवावर्ग के जीवन में अनुशासन'' शिविरा पत्रिका नवम्बर 2002 अंक 5, पृ.सं. 18.
6. नालन्दा शब्द कोश (1991) आदर्श बुक डिपोनई दिल्ली
7. फादर कामिल बुल्के (2004) ''अंग्रेजी हिन्दी शब्द कोष'', स.चन्द एण्ड कम्पनी नई दिल्ली
8. शैली, वेहक्यर (2006)ए ''ऑक्सफोर्ड एडवांस लर्नर डिक्सनरी'' ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस नई दिल्ली
9. सहाय, राजवल्लभ एवं, श्रीवास्ताव, मुकन्दीलाल (2009) ''वृहद हिन्दी श्ब्द कोश'' ज्ञान मण्डल लि. बनारस
10. अस्थाना, डॉ. विपिन (1994) ''मनोविज्ञान और शिक्षा मेंमापनऔरमूंल्याकन'', विनोदप्रकाषपुस्तकमंदिरआ•रा,
11. अस्थाना, डॉ– विपिन (2004)''मनोविज्ञानऔरषि{ाा मेंमापनऔरमूल्यांकन'', विनोदप्रकाषपुस्तकमंदिरआ•रा, पृ–ंस– 235–246–
12. कपिल, एच.के. ''अनुसंधान की विधियाँ'', हर प्रसाद र्भाव कचहरी द्याट, आगरा, क्षितीय संस्करण, पृ–सं– 23, 25
13. गुप्ता, स.पी. (2011) अनुसंधान संदिर्श का सम्प्रत्यय कार्य विधि, वंप्रविधि, शारदा पुस्त कभवन, यूनिवर्सिटी रोड़, इलाहाबाद
14. बद्येला, हेतसिंह ''शिक्षा मनोविज्ञान'', अरिहन्त शिक्षा प्रकाशन, जयपुर, पृ.सं. 193
15. बेस्ट जॉन डब्ल्यू व शर्मा, आर. ''शिक्षा अनुसंधान'' आर.एल. बुकडिपो, मैरठ, पृ.सं. 81
16. भार्गव, महेश (2005) ''आधुनिक मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मापन'' एच.पी. भार्गव बुक हाउस, आगरा, 2005 पृ.सं. 534